No. of Printed Pages : 3

MSKE–010

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.एस.के.ई.-010 : दर्शनशास्त्र, ब्रह्मसूत्र, योगसूत्र एवं न्याय सूत्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।*

3×20=60

1. वेदान्त दर्शन का परिचय देते हुए आचार्य शंकर के सन्दर्भ में अद्वैत वेदांत को विस्तृत रूप से स्पष्ट कीजिए।

2. योग का अर्थ बताते हुए योग के अंगों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

3. शास्त्रप्रवृत्ति का अर्थ बताते हुए उसके भेद, उपयोगिता और उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

4. प्रमाण कितने प्रकार के होते हैं ? प्रत्यक्ष और अनुमान प्रमाण का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

5. विशिष्टाद्वैत वेदांत के इतिहास का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

6. चतुर्विध समापत्ति को स्पष्ट करते हुए समापत्ति के अर्थ, लक्षण एवं स्वरूप का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।*

$4 \times 10 = 40$

7. प्रमाण से ज्ञात होने वाले प्रमेय का निरूपण स्पष्ट कीजिए।

8. संशय को स्पष्ट करते हुए उसके प्रभेद का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

9. हेत्वाभास और छल के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

10. षोडश पदार्थों का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

11. 'कैवल्य' के स्वरूप का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

12. ऋतम्भरा प्रज्ञा और निरोध समाधि के अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

13. ईश्वर प्रणिधान का लक्षण, स्वरूप एवं उससे होने वाले फलों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

14. 'तत्तु समन्वयात्' की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

× × × × × × ×